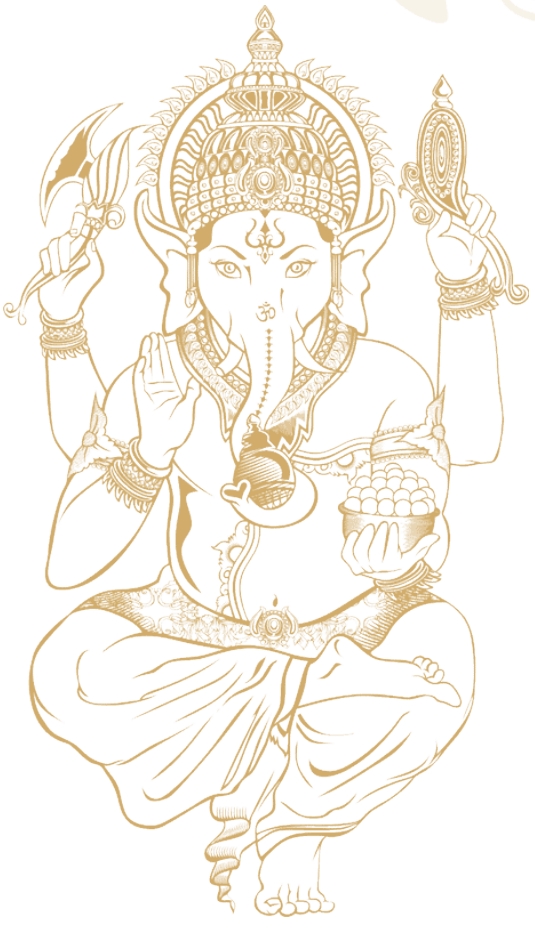

Gochar gold chain order

05 Nov 2025

09:21 PM

Katni

Model: web-freekundliweb

Order No: 120013018

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/11/2025**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**21:21:50 घंटे**
इष्ट	37:43:01 घटी
स्थान	**Katni**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:47:00 उत्तर
रेखांश	80:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:13:46 घंटे
वेलान्तर	00:16:27 घंटे
साम्पातिक काल	00:14:17 घंटे
सूर्योदय	06:16:37 घंटे
सूर्यास्त	17:26:40 घंटे
दिनमान	11:10:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:16:08 तुला
लग्न के अंश	18:53:34 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्यतिपात
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ले-लेखपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:53:34	319:02:15	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			तुला	19:16:08	01:00:08	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	नीच राशि
चंद्र			मेष	20:47:17	15:19:26	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	06:34:59	00:43:02	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	स्वराशि
बुध			वृश्चि	11:31:15	00:30:40	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु			कर्क	00:52:24	00:01:12	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	04:10:31	01:15:06	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	01:22:55	00:02:18	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	22:33:19	00:07:55	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	22:33:19	00:07:55	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:52:41	00:02:22	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:29:03	00:01:05	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	07:16:10	00:00:39	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मीन	09:40:27	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:08

लग्न-चलित

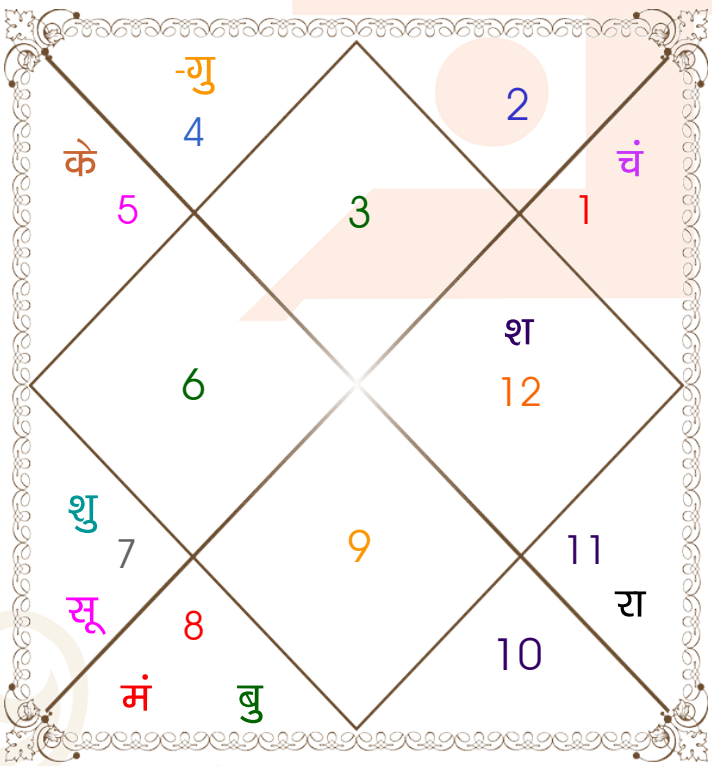

चन्द्र कुंडली

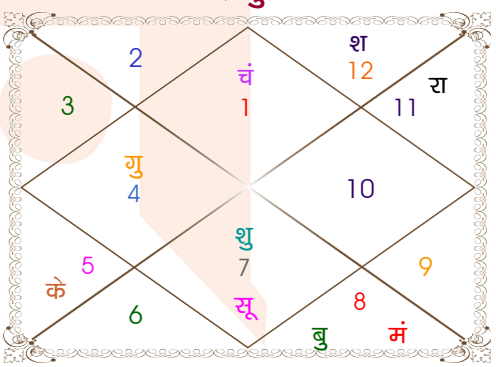

नवमांश कुंडली

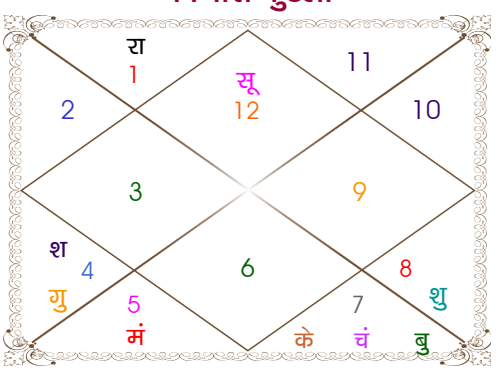

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 8 वर्ष 9 मास 24 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
05/11/2025		31/08/2034		31/08/2040		31/08/2050		31/08/2057	
31/08/2034		31/08/2040		31/08/2050		31/08/2057		31/08/2075	
	00/00/0000	सूर्य	19/12/2034	चंद्र	01/07/2041	मंगल	27/01/2051	राहु	13/05/2060
	00/00/0000	चंद्र	19/06/2035	मंगल	30/01/2042	राहु	15/02/2052	गुरु	07/10/2062
	00/00/0000	मंगल	25/10/2035	राहु	01/08/2043	गुरु	21/01/2053	शनि	13/08/2065
	00/00/0000	राहु	18/09/2036	गुरु	30/11/2044	शनि	02/03/2054	बुध	01/03/2068
	05/11/2025	गुरु	07/07/2037	शनि	01/07/2046	बुध	27/02/2055	केतु	20/03/2069
गुरु	02/07/2027	शनि	19/06/2038	बुध	01/12/2047	केतु	26/07/2055	शुक्र	19/03/2072
शनि	31/08/2030	बुध	26/04/2039	केतु	01/07/2048	शुक्र	24/09/2056	सूर्य	11/02/2073
बुध	01/07/2033	केतु	31/08/2039	शुक्र	02/03/2050	सूर्य	30/01/2057	चंद्र	13/08/2074
केतु	31/08/2034	शुक्र	31/08/2040	सूर्य	31/08/2050	चंद्र	31/08/2057	मंगल	31/08/2075

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
31/08/2075		31/08/2091		01/09/2110		01/09/2127		01/09/2134	
31/08/2091		01/09/2110		01/09/2127		01/09/2134		00/00/0000	
गुरु	19/10/2077	शनि	03/09/2094	बुध	28/01/2113	केतु	29/01/2128	शुक्र	01/01/2138
शनि	01/05/2080	बुध	13/05/2097	केतु	25/01/2114	शुक्र	30/03/2129	सूर्य	01/01/2139
बुध	07/08/2082	केतु	22/06/2098	शुक्र	25/11/2116	सूर्य	05/08/2129	चंद्र	01/09/2140
केतु	14/07/2083	शुक्र	23/08/2101	सूर्य	01/10/2117	चंद्र	06/03/2130	मंगल	01/11/2141
शुक्र	14/03/2086	सूर्य	05/08/2102	चंद्र	03/03/2119	मंगल	02/08/2130	राहु	01/11/2144
सूर्य	31/12/2086	चंद्र	05/03/2104	मंगल	28/02/2120	राहु	20/08/2131	गुरु	06/11/2145
चंद्र	01/05/2088	मंगल	14/04/2105	राहु	16/09/2122	गुरु	26/07/2132		00/00/0000
मंगल	07/04/2089	राहु	19/02/2108	गुरु	22/12/2124	शनि	04/09/2133		00/00/0000
राहु	31/08/2091	गुरु	01/09/2110	शनि	01/09/2127	बुध	01/09/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 8 वर्ष 9 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।